BA-(H) मैथिली
Part-2
पत्र - तेसर

प्रो० रंजीत कुमार राम
(अतिथि शिक्षक)
मैथिली विभाग
R.S.J. College, Rajnagar
Madhubani (LNMU)

प्रो० हरिमोहन झाक साहित्यिक अवदान

आधुनिक काल मे जाहि कोनो व्यक्तिक नाम मैथिली भाषा-साहित्यक क्षेत्र मे चर्चित-प्रशंसित रहल अछि ओ थिकाह प्रो० हरिमोहन झा। योग्य पिता पंडित जनार्दन झा 'जनसीदन'क सुयोग्य पुत्र प्रो० हरिमोहन झा नहि मैथिली भाषा-भाषी अथवा नहि मैथिली साहित्य प्रेमी लोक मैथिलीक ट्रेड मार्क रहथि। कहल त एतय धरि जाइत अछि जे कविक-कोकिल विद्यापतिक उपरान्त हरिमोहन झाक साहित्य सभ सँ बेसी पढ़ल-सुनल जाइत रहल अछि तँ प्रो० झा मैथिली गद्यक विद्यापति मानल जाइत छथि।

हरिमोहन झा मैथिली आ मिथिलाक एहन ध्रुवतारा रहथि, जनिक आलोक सँ साहित्य आ समाज आ मिथिलाक संस्कृति आलोकित होइत रहल अछि। वस्तुतः इनक अवदान कें साहित्यिक सामाजिक आ सांस्कृतिक स्तर पर देखल-परेखल जा सकैत अछि।

साहित्यिक अवदान :-

हरिमोहन झा अद्वितीय साहित्यक प्रतिभाक धनी छथि। उपन्यास आ कथा तँ लिखबे कएलनि, एकांकी, प्रहसन, कविता, निबन्ध आदि अन्यान्य विधामे सेहो विलक्षण रचना कएलनि। हिनक प्रकाशित कृति अछि - कन्यादान द्विरागमन - उपन्यास, कथा- चर्चरी, विविध विध रचना : जीवनयात्रा आत्मकथा। एकर अतिरिक्त, संगृहीत - असंगृहीत कथा दूटा अछि। एकादशी तथा हरिमोहन झाक बीछल कथा, हरिमोहन झा रचनावली खण्ड (उपन्यास), हरिमोहन झा रचनावली खण्ड - ४ (कविता) नाम सँ सेहो प्रकाशित भेल अछि।

Sanjit Kumar
07/08/2024

Scanned by TapScanner